Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी साहित्य
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : एकांकी संचय

पाठ - 2 'बहू की विदा' (एकांकी) लेखक - विनोद रस्तोगी

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी साहित्य की पाठ्य पुस्तक 'एकांकी संचय' की पृष्ठ संख्या सत्रह पर दिए पाठ-2 'बहू की विदा' नामक एकांकी का अध्ययन करेंगे।

बच्चो ! आज हम 'बहू की विदा' एकांकी का शेष भाग समझेंगे। इसलिए आप सभी अपनी-अपनी पुस्तक एवं एक उत्तर-पुस्तिका भी निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। पाठ के मध्य आपसे एकांकी से संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे। प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे तथा उन तीन मिनट के दौरान ही आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। यह तभी संभव होगा यदि आप पाठ को ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! पिछले सप्ताह हमने इस एकांकी को पृष्ठ-संख्या 23 तक विस्तार से समझ लिया था। आइए, आगे बढ़ने से पहले एकांकी को पृष्ठ संख्या 23 तक संक्षेप में जान लेते हैं। प्रमोद की बहन कमला का विवाह जीवनलाल के पुत्र रमेश के साथ हुआ है। विवाह के बाद पहला सावन आने पर प्रमोद अपनी बहन कमला को विदा कराने

उसके ससुराल आया है परन्तु कमला के ससुर जीवनलाल कमला को विदा करने से इन्कार कर देते हैं। जीवनलाल के अनुसार कमला के विवाह में उसके परिवारवालों ने आशा के अनुरूप दहेज नहीं दिया तथा बारात की खातिरदारी भी ठीक ढंग से नहीं की। इससे उनके मान - सम्मान को जो चोट पहुँची है उसका घाव आज तक हरा है। और इस चोट का केवल दहेज के पाँच हज़ार रुपए देकर ही उपचार किया जा सकता है। जीवनलाल उसे (प्रमोद को) गौरी के विवाह का उदाहरण देते हुए कहता है कि उसने गौरी के विवाह में बारात की इतनी खातिरदारी की कि सभी दंग रह गए। इसलिए लड़कीवाले होकर भी उनकी मूँछ ऊँची है। रमेश भी गौरी को विदा करवाने उसके ससुराल गया है। वह किसी भी समय गौरी को लेकर यहाँ पहुँचता होगा। इसके बाद प्रमोद अपनी बहन से मिलकर उसे सांत्वना देता है। वह कहता है कि वह अपना पुराना गिरे हाल वाला मकान बेचकर शीघ्र ही जीवनलाल जी के घाव के मरहम के रूप में पाँच हज़ार रुपए लेकर आएगा और तुम्हें विदा कराकर ले जाएगा। कमला प्रमोद को ऐसा करने से रोकती है क्योंकि साल दो साल में उसे विमला का विवाह भी करना होगा। जीवनलाल की पत्नी राजेश्वरी ने जब यह सुना कि वे कमला को विदा करने के लिए पाँच हज़ार रुपए माँग रहे हैं तो वह स्वयं कमला को तिजोरी की चाभी देकर पाँच हज़ार रुपए ले आकर जीवनलाल को देने के लिए कहती है। प्रमोद राजेश्वरी के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर देता है।

बच्चो ! अब एकांकी को आगे बढ़ाते हुए पृष्ठ संख्या चौबीस से समझने का प्रयास करते हैं। कमला और प्रमोद राजेश्वरी की ओर से पाँच हज़ार रुपए जीवनलाल को देने का प्रस्ताव मानने से इन्कार कर देते हैं। राजेश्वरी का मानना है कि जिस प्रकार गौरी की माँ होने के नाते वह गौरी की राह देख रही है, उसी प्रकार कमला की माँ भी कमला के आने के लिए उसकी अधीरता पूर्वक प्रतीक्षा कर रही होगी। तभी जीवनलाल बाहर से आकर राजेश्वरी को गौरी के स्वागत

की विशेष तैयारी करने के लिए कहते हैं। जीवनलाल प्रमोद पर व्यंग्य कसते हुए कहते हैं कि आज ये (प्रमोद और कमला) भी देख लें कि नाक वाले अपनी बेटी का स्वागत कैसे करते हैं। राजेश्वरी ने जब अपने पति की यह बात सुनी तो उसे अच्छा नहीं लगा क्योंकि पति की इस बात से उसे अहंकार की बू आ रही थी। इसलिए वह चिढ़कर कहती है कि आपके मुँह से गालियों के अलावा कभी सीधी बात नहीं निकलती। जब देखो बेढंगी बातें करते रहते हैं। दुनिया में एक तुम्हीं नाक वाले हो और सब नकटे हैं। जीवनलाल अपनी पत्नी की बात का उत्तर देते हुए कहते हैं कि तुम्हें तो मेरी हर बात में बुराई ही दिखाई देती है। वे वहीं खड़े कमला के भाई प्रमोद से भी पूछ लेते हैं कि कि मैंने कोई बुरी बात कही है? प्रमोद जीवनलाल के इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहता है कि आपने ठीक ही कहा है क्योंकि आज के युग की सच्चाई यही है। लोग पैसे वाले को बड़ा आदमी और कम पैसे वाले को छोटा समझते हैं। नाक और मूँछ समाज में शान और प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती है।

बच्चो! प्रमोद द्वारा कही बात में सच्चाई तो है परन्तु यह उचित नहीं है। मनुष्य बड़ा अच्छे कर्मों एवं व्यवहार से होता है इसलिए सम्मान पैसे के आधार पर न होकर सदाचार के आधार पर होना चाहिए।

तभी नेपथ्य (पर्दे के पीछे) से हार्न का स्वर सुनाई पड़ता है। जीवनलाल प्रसन्न होकर राजेश्वरी से कहते हैं कि गौरी आ गई है और मिठाई का थाल मँगवाते हैं और उत्साहपूर्वक द्वार की ओर बढ़ते हैं। गौरी को लेने गया रमेश जब उदास चेहरा लिए अकेला ही लौट आता है। जीवनलाल द्वारा कारण पूछने पर रमेश उन्हें बताता है कि गौरी के ससुरालवाले दहेज पूरा न मिलने से नाखुश हैं यही कारण है कि उन्होंने गौरी को विदा करने से इन्कार कर दिया। यह सुनकर जीवनलाल क्रोधित हो जाते हैं। वे गौरी के ससुरालवालों को 'लोभी' कहते हैं। जीवनलाल का मानना है कि उन्होंने गौरी के विवाह में जीवनभर की कमाई दे दी। फिर भी वे शिकायत कर

रहे हैं। उनके इस काम से जीवनलाल के सम्मान और अहम को भारी ठेस पहुँची है।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे और उन तीन मिनट में आप पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. प्रमोद ने जीवनलाल की मरहम के इंतज़ाम के लिए क्या निश्चय किया?

प्रश्न 2. गौरी के ससुराल वालों ने उसे विदा क्यों नहीं किया?

प्रश्न 3. राजेश्वरी किसे रुपए देना चाहती है और क्यों?

बच्चो! विराम का समय अब समाप्त हो चुका है। आशा है कि आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। उन प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. प्रमोद ने मरहम के पाँच हज़ार रुपए के इंतज़ाम के लिए अपने मकान को बेचने का निश्चय किया ताकि कमला की विदाई हो सके।

उत्तर 2. गौरी के ससुराल वालों ने गौरी को पहले सावन पर मायके भेजने से मना कर दिया। उन्होंने गौरी को लेने गए रमेश को यह कहकर वापस भेज दिया कि गौरी के घरवालों ने दहेज पूरा नहीं दिया है।

उत्तर-3 राजेश्वरी प्रमोद को रुपए देना चाहती है क्योंकि उनके पति जीवनलाल कमला की विदा बिना पाँच हज़ार रुपए लिए करने को तैयार नहीं हैं और प्रमोद के लिए इतनी बड़ी रकम का इंतज़ाम करना आसान नहीं है इसलिए राजेश्वरी चुपचाप प्रमोद को पैसे देकर समस्या को हल करना चाहती है।

बच्चो! अब एकांकी को आगे बढ़ाते हुए पृष्ठ संख्या 26 से समझने का प्रयास करते हैं। जीवनलाल अपनी बेटी की ससुराल वालों द्वारा विदा न करने के कारण स्वयं को बहुत अपमानित महसूस करता है। तब राजेश्वरी जीवनलाल से कहती है कि तुम भी किसी की बेटी को यह कहकर कि दहेज कम दिया है, विदा नहीं कर रहे हो। अब वैसा ही व्यवहार

तुम्हें अपनी बेटी के ससुरालवालों से मिला है। अब तो तुम्हारी आँखें खुल जानी चाहिए। राजेश्वरी जीवनलाल को समझाती है कि जो तुम अपनी बेटी के लिए चाहते हो, वही दूसरे की बेटी को भी दो। बहू और बेटी में कोई फर्क नहीं होता और जब दोनों के प्रति एक जैसी भावनाएँ रखोगे तो अन्तर्आत्मा तभी सुख और शांति अनुभव करेगी। भेदभाव करने वाला व्यक्ति कभी सुखी नहीं होता।

जीवनलाल की कुप्रवृत्तियों के कारण गौरी के साथ भी वही हुआ जो उसने अपनी बहू के साथ किया। इसलिए राजेश्वरी जीवनलाल को समझाती है। वह यह भी कहती है कि अगर हर बेटे वाला यह याद रखे कि वह बेटी वाला भी है तो सब उलझनें सुलझ जाएँगी। एक घर की बेटी दूसरे घर की बहू होती है। अतः बहू भी बेटी है। बहू को बेटी की तरह प्यार और मान-सम्मान प्रदान किया जाना चाहिए। पहले तो जीवनलाल को इस बात की समझ नहीं थी कि बहू भी बेटी की तरह होती है। लेकिन पत्नी (राजेश्वरी) की नसीहत पाकर जीवनलाल जैसे आसमान से ज़मीन पर आ गिरा। उसकी आँखें खुल गई। उनका हृदय परिवर्तन हो गया। उन्हें अपनी लोभी प्रवृत्ति का अहसास होता है। तभी प्रमोद आज्ञा लेता है और फिर से आने तथा मरहम के रूप में पाँच हज़ार रुपए देने की बात कहकर जाने लगता है। प्रमोद की बात सुनकर जीवनलाल का अहंकार टूट जाता है। वे प्रमोद से ऐसी बात कहकर उन्हें अधिक लज्जित न करने की बात कहते हैं। जीवनलाल ने अपनी बहू के यहाँ से उनकी इच्छानुसार दहेज न मिलने को अपने ऊपर चोट माना और जब उनकी ही बेटी के ससुराल वालों ने भी उनको यही चोट दी तो जीवनलाल का सारा घमंड चकनाचूर हो गया। उनकी आँखें खुल गई।

एकांकी के अंत में जीवनलाल का हृदय परिवर्तन हो जाता है। पहले वे अपनी बहू के मायके वालों से दहेज रूपी मरहम की माँग करते हैं परन्तु गौरी के ससुरालवालों द्वारा दी यही चोट उनकी आँखें खोल देती है। वे महसूस

करते हैं कि कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है। उनके मन से बहू और बेटी में अंतर मानने की भावना समाप्त हो जाती है। वे बिना कुछ लिए ही खुशी-खुशी अपनी बहू कमला को विदा करने के लिए तैयार हो जाते हैं। जीवनलाल का यह निर्णय सुनकर सब प्रसन्न हो जाते हैं।

बच्चो! आज हमारी यह एकांकी पूर्ण रूप से समाप्त हो चुकी है। आशा करती हूँ कि आपने इसे रुचि से सुना एवं समझा होगा। आप इस एकांकी दो-तीन बार अवश्य पढ़ेंगे। एवं समझने का प्रयास भी करेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ। इस कार्य को आप पाठ की सहायता से स्वयं करने का प्रयास करेंगे।

* गृहकार्य

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

"ठीक ही कहा आपने आज के युग में पैसा ही नाक और मूँछ है। जिसके पास पैसा नहीं वह नाक-मूँछ होते हुए भी नकटा है, मूँछ कटा है।"

प्रश्न (क) वक्ता और श्रोता कौन हैं? वह किस बात पर व्यंग्य कर रहा है?

प्रश्न (ख) उपर्युक्त पंक्तियों में आज के युग में किस बुराई की ओर संकेत किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न (ग) क्या आप वक्ता की बात से सहमत हैं? कारण सहित उत्तर दीजिए।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]